कानपुर, सोमवार, 25 मई, 2026
वर्ष: 03, अंक: 128, पृष्ठ: 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

इनसाइड हीरा ग्रुप चीफ नौहेरा शेख गिरफ्तार...>Pg12

नौतपा की तपिश से जनजीवन बेहाल...>Pg03

मूल्य: 2 ₹

पेट्रोल-डीजल में 11 दिन के अंदर चौथी बढ़ोतरी से आम आदमी की जेब पर पड़ेगा बड़ा असर

बढ़ी महंगाई की तपिश

तेल कंपनियों के घाटे का बोझ अब जनता पर पड़ने लगा, ट्रांसपोर्ट महंगा होने से फल-सब्जी और राशन के दाम बढ़ने के आसार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल का असर अब सीधे देश की जनता की जेब पर दिखने लगा है। पेट्रोल और डीजल के दामों में लगातार चौथी बार बढ़ोतरी होने से आम आदमी की चिंता बढ़ गई है। बीते 11 दिनों में पेट्रोल-डीजल 7 रुपये से ज्यादा महंगा हो चुका है, जिससे परिवहन से लेकर घरेलू बजट तक हर स्तर पर असर दिखाई देने लगा है। सोमवार सुबह छह बजे तेल कंपनियों द्वारा करीब तीन रुपये प्रति लीटर की नई बढ़ोतरी लागू होते ही महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक लोगों में नाराजगी और चिंता का माहौल बन गया।

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले दिनों में महंगाई और बढ़ सकती है। पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने का सीधा असर माल ढुलाई पर पड़ता है, जिससे फल, सब्जियां, राशन, दूध और रोजमर्रा की वस्तुएं महंगी होने लगती हैं। मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा दबाव महसूस कर रहा है क्योंकि पिछले दो सप्ताह में वाहन चलाने का खर्च लगभग 10 फीसदी तक बढ़ चुका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड के दाम रिकॉर्ड स्तर के करीब बने

हुए हैं। ओपेक प्लस देशों द्वारा उत्पादन में कटौती जारी रखने और पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 85 फीसदी कच्चा तेल आयात करता है, इसलिए वैश्विक बाजार में हलचल का सीधा असर घरेलू कीमतों पर पड़ता है। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के निदेशक (एचआर) राज कुमार दुबे ने संकेत दिए हैं कि यदि पश्चिम एशिया का संकट लंबा खिंचता है तो पेट्रोल-डीजल के दामों में आगे भी बढ़ोतरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि तेल कंपनियों पर भारी वित्तीय दबाव है और सरकार के सामने सीमित विकल्प बचे हैं। या तो कीमतें बढ़ाई जाएं, या कंपनियां घाटा सहें अथवा सरकार सब्सिडी देकर राहत दे।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुमान के अनुसार मौजूदा वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में सरकारी तेल कंपनियों का घाटा एक लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच सकता है। रिपोर्टों के मुताबिक कंपनियों को रोजाना करीब 1100 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा था। हालिया मूल्यवृद्धि के बाद यह घाटा कुछ कम होकर करीब 800 करोड़ रुपये प्रतिदिन तक आने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि तेल कंपनियों को राहत मिलने के बावजूद आम आदमी पर महंगाई का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। आर्थिक जानकारों का मानना है कि यदि अंतरराष्ट्रीय हालात नहीं सुधरे तो आने वाले समय में ईंधन के दामों में और बढ़ोतरी से इनकार नहीं किया जा सकता।

क्यों बढ़ रहे हैं दाम?

- मिडिल ईस्ट में तनाव
- ब्रेंट क्रूड की रिकॉर्ड कीमत
- ओपेक प्लस की उत्पादन कटौती
- सप्लाई चेन पर असर
- भारत की आयात निर्भरता

आम आदमी पर क्या असर?

- वाहन चलाना महंगा
- फल-सब्जियों की कीमत बढ़ने का खतरा
- ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट में उछाल
- घरेलू बजट बिगड़ने की आशंका
- मिडिल क्लास पर सबसे ज्यादा दबाव

- 11 दिनों में पेट्रोल-डीजल चौथी बार महंगा हुआ।
- कुल बढ़ोतरी 7 रुपये प्रति लीटर से ज्यादा पहुंची।
- सोमवार सुबह करीब 3 रुपये की नई बढ़ोतरी लागू हुई।
- हालिया बढ़ोतरी से घाटा घटकर करीब 800 करोड़ रुपये प्रतिदिन रहने की उम्मीद।
- ब्रेंट क्रूड के दाम रिकॉर्ड स्तर के करीब बने हुए हैं।
- भारत 85 फीसदी कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है।
- तेल कंपनियों को रोजाना 1100 करोड़ रुपये तक नुकसान का अनुमान।
- विशेषज्ञों ने आने वाले समय में और महंगाई बढ़ने की आशंका जताई।

7
रुपये से ज्यादा महंगा हो चुका है पेट्रोल-डीजल

नौबस्ता में पिता-पुत्र की हत्या से दहला कानपुर

मामूली टक्कर बनी मौत का कारण

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। नौबस्ता थाना क्षेत्र में रविवार शाम हुई मामूली बाइक टक्कर ने देखते ही देखते खूनी रूप ले लिया। सड़क पर शुरू हुई कहासुनी इतनी बढ़ गई कि एक पक्ष ने पिता और उनके बेटों पर चाकू और हेलमेट से हमला कर दिया। इस हमले में पिता और एक बेटे की मौत हो गई, जबकि दूसरा बेटा गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। सरेशाम हुई इस दोहरी हत्या की वारदात से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार किदवई नगर निवासी शिवनारायण त्रिवेदी अपने बेटों शिवम और सत्यम के साथ मार्बल

➪ बाइक भिड़ने के बाद शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदला, चाकू और हेलमेट से हमला, पुलिस मुठभेड़ के बाद तीनों आरोपी गिरफ्तार

मार्केट स्थित कनक मार्बल में काम करते थे। रविवार शाम काम खत्म होने के बाद तीनों एक ही बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान नौबस्ता क्षेत्र में दूसरी बाइक से उनकी टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पहले दोनों पक्षों में बहस हुई,

लेकिन कुछ ही मिनटों में मामला हिंसक झगड़े में बदल गया।

आरोप है कि दूसरी बाइक पर सवार तीन युवकों ने अचानक चाकू निकाल लिया और शिवनारायण व उनके बेटों पर ताबड़तोड़ हमला शुरू कर दिया। हमलावरों ने हेलमेट से भी वार किए। सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। हमले में शिवनारायण और उनके बेटे शिवम गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़े, जबकि सत्यम भी लहूलुहान हालत में सड़क पर तड़पता रहा।

राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने शिवनारायण और शिवम को मृत घोषित कर दिया। सत्यम की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे, जिसके बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की।

पुलिस ने देर रात कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर तीसरे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी गई। इसी दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिससे आरोपी के दोनों पैरों में गोली लग गई। घायल आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

कानपुर जोन को मिली सख्त और संवेदनशील एडीजी

बेहतर व्यवहार, जीरो टॉलरेंस और अपराधियों पर शिकंजा होगा प्राथमिकता : एडीजी अनुपमा कुलश्रेष्ठ

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तहत वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अनुपमा कुलश्रेष्ठ को कानपुर जोन का नया एडीजी नियुक्त किया है। आगरा जोन में अपने सख्त प्रशासन, अपराध नियंत्रण और महिला सुरक्षा को लेकर चर्चित रहीं अनुपमा कुलश्रेष्ठ ने शनिवार को कानपुर जोन का कार्यभार संभाल लिया। उनके आगमन से पुलिस महकमे में नई ऊर्जा और अपराधियों में बेचैनी देखी जा रही है।

वर्ष 1995 बैच की तेजतर्रार आईपीएस अधिकारी अनुपमा कुलश्रेष्ठ को सरकार ने कानपुर जैसे अति महत्वपूर्ण और संवेदनशील जोन की जिम्मेदारी देकर बड़ा भरोसा जताया है। इससे पहले यहां तैनात डीजी आलोक सिंह का प्रमोशन होने के बाद उनका तबादला पुलिस महानिदेशक पीएसी मुख्यालय लखनऊ कर दिया गया।कार्यभार संभालते ही एडीजी अनुपमा कुलश्रेष्ठ पूरी तरह एक्शन मोड में नजर आईं। उन्होंने जोनल कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का गहन निरीक्षण किया और अभिलेखों के रखरखाव, गोपनीयता, अनुशासन एवं कार्य प्रणाली की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।पत्रकारों से बातचीत में नई एडीजी ने साफ कहा कि गरीब, असहाय और पीड़ित लोगों को त्वरित न्याय दिलाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि थानों पर फरियादियों और महिलाओं के प्रति पुलिस का व्यवहार बेहतर बनाया जाएगा तथा हर पीड़ित की एफआईआर बिना भटकाव के दर्ज हो, यह सुनिश्चित किया जाएगा।एडीजी अनुपमा कुलश्रेष्ठ ने अपराधियों और माफियाओं को सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि प्रदेश और जिला स्तर पर चिन्हित अपराधियों के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस नीति के तहत कठोर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि मजबूत साक्ष्यों और समयबद्ध गवाही के जरिए अपराधियों को सजा दिलाने पर विशेष फोकस रहेगा।उन्होंने यह भी कहा कि तकनीक आधारित बढ़ते साइबर अपराधों से निपटने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाएगी। पुलिस शैक्षणिक एवं सामाजिक संस्थानों के सहयोग से साइबर अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई करेगी और आम जनता को भी जागरूक बनाया जाएगा।अनुपमा कुलश्रेष्ठ इससे पहले कानपुर, महोबा, विंध्याचल समेत कई जनपदों में पुलिस कप्तान रह चुकी हैं। एडीजी यातायात, महिला हेल्पलाइन और आगरा जोन में रहते हुए उन्होंने कई बड़े अभियानों का सफल संचालन किया और चर्चित घटनाओं के खुलासे कर अपनी मजबूत कार्यशैली का परिचय दिया।

नई एडीजी के आगमन से कानपुर जोन में कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त और संवेदनशील पुलिसिंग की उम्मीदें बढ़ गई हैं। अपराधियों पर नकेल और फरियादियों को राहत दिलाने की दिशा में उनका कार्यकाल बेहद अहम माना जा रहा

विद्यालयों के कार्यक्रमों में विवाद रोकने की पहल, बच्चों से उद्घाटन कराने का सुझाव

सांसद रमेश अवस्थी ने डीएम को लिखा पत्र शिक्षा को राजनीति से ऊपर रखने की अपील

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सांसद रमेश अवस्थी ने जनपद के प्राथमिक विद्यालयों में सांसद निधि से कराए जा रहे विकास कार्यों के शिलान्यास एवं उद्घाटन कार्यक्रमों को लेकर जिलाधिकारी कानपुर नगर को पत्र भेजकर महत्वपूर्ण पहल की है। उन्होंने विद्यालयों में होने वाले कार्यक्रमों को राजनीतिक विवादों से दूर रखते हुए पूरी तरह शिक्षा और बच्चों के हित में आयोजित कराने की अपील की है।

सांसद ने पत्र में कहा कि हाल के दिनों में कुछ विद्यालयों में विकास कार्यों को लेकर राजनीतिक दलों के बीच विवाद की स्थिति सामने आई है, जो शिक्षा के वातावरण के लिए उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का उद्देश्य विद्यालयों को बेहतर सुविधाएं देना और बच्चों का भविष्य संवारना है, इसलिए ऐसे आयोजनों में राजनीति से ऊपर उठकर सकारात्मक सोच अपनाई जानी चाहिए।उन्होंने जिला प्रशासन से कहा कि यदि कोई भी राजनीतिक दल, संस्था या सामाजिक संगठन शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से सहयोग करता है तो उसका स्वागत किया जाना चाहिए। विकास कार्यों को विवाद का नहीं बल्कि समाज निर्माण का माध्यम बनाया जाए।

सांसद रमेश अवस्थी ने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत होने वाले शिलान्यास एवं उद्घाटन कार्यक्रमों के लिए अनोखा सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय के सबसे गरीब परिवार के बच्चे तथा सबसे मेधावी छात्र को मंच पर सम्मानपूर्वक स्थान दिया जाए और उन्हीं के हाथों कार्यक्रम सम्पन्न कराया जाए। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ेगा और शिक्षा के प्रति सम्मान की भावना मजबूत होगी।

पत्र में उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करने का अनुरोध भी किया है कि विद्यालय प्रबंधन के साथ समन्वय बनाकर ऐसे बच्चों का चयन सुनिश्चित किया जाए। सांसद ने कहा कि विकास कार्यों का वास्तविक श्रेय बच्चों और शिक्षा व्यवस्था को मिलना चाहिए, क्योंकि देश का भविष्य विद्यालयों से ही तैयार होता है।

जनगणना-2027 के प्रथम चरण में कानपुर नगर में मकान सूचीकरण अभियान तेज

मंदिरों से मोहल्लों तक पहुंची जनगणना टीम, शुरू हुई भवनों की गिनती

20 जून तक जुटाई जाएंगी भवनों व परिवारों से जुड़ी 33 प्रकार की जानकारियां

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत शुक्रवार से कानपुर नगर में मकान सूचीकरण एवं भवन गणना का कार्य विधिवत शुरू हो गया। सुबह से ही प्रगणक और सुपरवाइजर गांवों, मोहल्लों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर भवनों का विवरण दर्ज करते नजर आए। कहीं मकानों पर पहचान संख्या अंकित की गई तो कहीं मंदिर, धर्मशाला, होटल, दुकान और अन्य संस्थानों से संबंधित जानकारियां निर्धारित प्रारूप में संकलित की गईं। यह अभियान 20 जून तक लगातार चलाया जाएगा।

जनपद में इस व्यापक अभियान को सफल बनाने के लिए कुल 10,621 प्रगणक एवं सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। प्रशासन के अनुसार अभियान के दौरान प्रत्येक वार्ड और गांव में पहुंचकर भवनों एवं परिवारों से जुड़ी आवश्यक सूचनाएं एकत्र की जाएंगी। शुक्रवार को धार्मिक स्थलों का भी सूचीकरण किया गया। प्रगणकों ने इस्कॉन टेम्पल, कुष्मांडा मंदिर घाटमपुर तथा विभिन्न प्रमुख मंदिरों का विवरण दर्ज किया। नगर पालिका परिषद घाटमपुर के गांधी नगर स्थित प्राचीन बाणेश्वर महादेव मंदिर का भी निर्धारित प्रारूप के तहत सूचीकरण किया गया।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि स्वगणना का चरण पूरा हो चुका है और अब प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी संकलित कर रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे प्रगणकों को सही और तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराकर अभियान में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में भवन की स्थिति, उपयोग, पेयजल, शौचालय, बिजली, रसोई ईंधन समेत कुल 33 प्रकार की सूचनाएं दर्ज की जाएंगी। इसके साथ ही आवासीय भवनों के अलावा धार्मिक स्थलों, होटलों, दुकानों और अन्य संस्थानों का भी विवरण संकलित किया जाएगा। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. विवेक चतुर्वेदी ने कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं का महत्वपूर्ण आधार होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान के दौरान मांगी गई सभी जानकारियां पूरी तरह गोपनीय रखी जाएंगी। साथ ही किसी भी नागरिक से बैंक खाता, ओटीपी अथवा अन्य वित्तीय जानकारी नहीं मांगी जाएगी।

मेट्रो यात्रियों को बड़ी सुविधा, स्टेशनों पर लगेंगी टिकट वेंडिंग मशीनें

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

- **झकरकटी से नौबस्ता रूट के सात स्टेशनों पर 36 मशीनें लगाने की तैयारी तेज**

कानपुर। शहर में मेट्रो यात्रियों को जल्द ही नई सुविधा मिलने जा रही है। अब मेट्रो स्टेशनों पर टिकट काउंटर की लंबी कतारों से राहत मिलेगी, क्योंकि यात्रियों को टिकट वेंडिंग मशीनों से सीधे टिकट उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए कानपुर मेट्रो प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं और अगले कुछ दिनों में मशीनों से जुड़े सभी कार्य पूरे कर लिए जाएंगे।

आईआईटी से नौबस्ता तक बन रहे कॉरिडोर-1 के शेष हिस्से में झकरकटी से नौबस्ता के बीच पड़ने वाले सात स्टेशनों पर टिकट वेंडिंग मशीनें स्थापित की जा रही हैं। इस रूट पर कुल 36 मशीनें लगाई जाएंगी। मेट्रो अधिकारियों के अनुसार प्रत्येक अंडरग्राउंड स्टेशन पर आठ तथा एलिवेटेड स्टेशन पर चार टिकट वेंडिंग मशीनें लगाई जा रही हैं।

मेट्रो प्रशासन का मानना है कि मशीनों के शुरू होने के बाद टिकट काउंटरों पर भीड़ कम होगी और यात्रियों को तेजी से टिकट मिल सकेगा। यात्री मशीन में अपने गंतव्य

स्टेशन का चयन करेंगे, जिसके बाद स्क्रीन पर दिखाई देने वाला किराया जमा करना होगा। भुगतान के बाद मशीन से क्यूआर कोड युक्त टिकट प्राप्त होगी। यात्री इस क्यूआर टिकट को एएफसी गेट पर स्कैन कर आसानी से यात्रा कर सकेंगे।

नौतपा की तपन से जनजीवन बेहाल

कानपुर में पारा 43 डिग्री पार

मौसम विभाग ने लोगों और किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। नौतपा की शुरुआत के साथ ही भीषण गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रविवार को कानपुर में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.2 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान भी 27 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण दोपहर के समय सड़कें सूनी नजर आईं तथा आमजन गर्मी से बेहाल दिखे।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के ग्रामीण कृषि मौसम सेवा केंद्र और भारत मौसम विज्ञान विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों तक मौसम साफ रहने के आसार हैं। इस दौरान वर्षा की कोई संभावना नहीं है। विभाग ने 25 से 28 मई तक लू का प्रकोप जारी रहने की चेतावनी दी है।

रविवार को अधिकतम सापेक्षिक

आर्द्रता 32 प्रतिशत और न्यूनतम 24 प्रतिशत दर्ज की गई। हवा की औसत गति 6.1 किलोमीटर प्रति घंटा रही तथा हवाएं उत्तर-पश्चिम दिशा से चलीं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि साफ आसमान और लगातार तेज धूप के कारण तापमान में और बढ़ोतरी हो सकती है।

कृषि मौसम वैज्ञानिकों ने किसानों को दोपहर के समय खेतों में कार्य करने से बचने, पशुओं के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था रखने और फसलों में नमी बनाए रखने की सलाह दी है। वहीं आम लोगों से भी दोपहर में अनावश्यक बाहर न निकलने, पर्याप्त पानी पीने और गर्मी से बचाव के उपाय अपनाने की अपील की गई है।

प्रबुद्धजन सम्मान समारोह से कांग्रेस ने साधा जनसंपर्क का लक्ष्य

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर दक्षिण में आयोजित कार्यक्रम में 200 से अधिक वरिष्ठ व प्रबुद्ध जनों का हुआ सम्मान, संगठन विस्तार पर जोर

कानपुर। कानपुर दक्षिण में कांग्रेस पार्टी द्वारा संगठन मजबूती और नए लोगों को जोड़ने के अभियान के तहत प्रबुद्ध जन आशीर्वाद एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम कानपुर महानगर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ, जिसके संयोजक एआईसीसी सदस्य विकास अवस्थी रहे। कार्यक्रम में किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र के 200 से अधिक वरिष्ठ एवं प्रबुद्ध जनों का सम्मान कर उन्हें कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व महापौर प्रत्याशी विकास अवस्थी ने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए बड़ों के अनुभव, मार्गदर्शन और आशीर्वाद की आवश्यकता होती है। वहीं महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के प्रति सभी वर्गों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है और पुराने लोग दोबारा पार्टी से जुड़ रहे हैं, जो बड़े बदलाव का संकेत है।कांग्रेस नेताओं ने बताया कि बीते 15 दिनों में दक्षिण क्षेत्र में यह तीसरा बड़ा कार्यक्रम है। इससे पहले आयोजित ÷नारी शक्ति÷ कार्यक्रम में 140 से अधिक महिलाओं को सदस्यता दिलाई गई थी, जबकि ÷युवा अधिकार पंचायत÷ में विभिन्न दलों से आए 200 से अधिक युवाओं ने कांग्रेस का दामन थामा था।

समारोह में वरिष्ठ जनों को माला और पटका पहनाकर सम्मानित किया गया तथा उन्हें भगवद्गीता भेंट की गई।

इस दौरान हर प्रकाश अग्निहोत्री, आलोक मिश्रा, भानु ठाकुर, अनुज कुशवाहा, राम नवल कुशवाहा, मोहित सविता, कमलकांत तिवारी, रोहित शुक्ला, रत्नेश गुप्ता, नकुल दुबे, अवदेश मिश्रा, उमेश दीक्षित, आनंद वर्मा, बाबू सूडान और आशुतोष सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन मौजूद रहे।

जनगणना-2027

नगर आयुक्त आवास पर हुई सेल्फ एन्यूमरेशन प्रक्रिया

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। भारत सरकार की जनगणना-2027 की तैयारियों के तहत नगर निगम क्षेत्र में हाउस लिस्टिंग और मकान सूचीकरण कार्य तेज हो गया है। इसी क्रम में नगर आयुक्त आवास पर सेल्फ एन्यूमरेशन की प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई।

नगर निगम से जारी प्रेस नोट के अनुसार, सुपरवाइजर महेश चन्द्र शुक्ला और गणक डॉली दीक्षित की मौजूदगी में यह प्रक्रिया पूरी हुई।

इस दौरान हाउस लिस्ट ब्लॉक में निर्धारित 33 बिंदुओं से संबंधित जानकारियां एकत्र कर उनका सत्यापन किया गया।नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनगणना अधिनियम-1948 के तहत प्राप्त सभी सूचनाएं पूरी तरह गोपनीय रखी जाएंगी और उनका उपयोग केवल सांख्यिकीय उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने जनगणना-2027 को राष्ट्रीय महत्व का कार्य बताते हुए अधिकारियों और कर्मचारियों को शासन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप गुणवत्ता और जवाबदेही के साथ कार्य संपादित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जनगणना कार्य को त्रुटिरहित और समयबद्ध ढंग से पूरा करने पर जोर दिया गया।

डॉ. अजय पाल अध्यक्ष और प्रो. महेंद्र वर्मा बने प्रमुख सचिव

हॉस्पिटल ओनर्स एसोसिएशन का पुनर्गठन

» स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर।कल्याणपुर स्थित हॉस्पिटल ओनर्स एसोसिएशन का रविवार को पुनर्गठन किया गया। संगठन की बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें कई वरिष्ठ चिकित्सकों और अस्पताल संचालकों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में संगठन से जुड़े सदस्य बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

बैठक में डॉ. अजय पाल को एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया।

वहीं प्रो. (डॉ.) महेंद्र वर्मा को प्रमुख सचिव और डॉ. जे.सी. विश्वास को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। नई कार्यकारिणी के गठन के साथ संगठन ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और अस्पताल संचालकों की समस्याओं के समाधान के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।इस दौरान अस्पताल संचालकों और चिकित्सकों ने कहा कि संगठन चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाएगा।साथ ही अस्पताल संचालन में आने वाली दिक्कतों को प्रशासन के समक्ष रखकर समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान डॉ. सी.एम. कटियार, जय सिंह पाल, कुलदीप सिंह, आलोक राठौर, रोहित गुप्ता, आदर्श द्विवेदी, विनय साहू, अवनीश त्रिपाठी और मणिकांता शुक्ला समेत अन्य सदस्य शामिल रहे।बैठक के अंत में उपस्थित सदस्यों ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी और संगठन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गंगा दशहरा पर बिठूर में उमड़ा आस्था का सैलाब, लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई पुण्य डुबकी

» घाटों पर गूंजे हर-हर गंगे के जयकारे, सुरक्षा व्यवस्था संभालने में जुटा रहा प्रशासन

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। गंगा दशहरा के पावन महापर्व पर बिठूर तीर्थ में आस्था का विशाल जनसैलाब उमड़ पड़ा। सोमवार सुबह से ही गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटनी शुरू हो गई। ÷हर-हर गंगे÷ और ÷हर-हर महादेव÷ के जयकारों से पूरा तीर्थ क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूब गया। लाखों श्रद्धालुओं ने मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की और दान-दक्षिणा देकर पुण्य लाभ अर्जित किया।

सीता घाट, लक्ष्मण घाट, भैरव घाट, पत्थर घाट, गोदारा घाट, तुलसी घाट, महिला घाट, गंऊ घाट और रामघाट समेत विभिन्न घाटों पर सुबह से देर शाम तक श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही।

दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे भक्तों ने गंगा स्नान कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस प्रशासन और पीएसी बल पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर प्रमुख चौराहों और घाटों पर बैरिकेडिंग की गई थी। वहीं गंगा नदी में सुरक्षा के लिए पुलिस और पीएसी की टीमें स्टीमर के माध्यम से लगातार गश्त करती रहीं। श्रद्धालुओं को घाट तक पहुंचने के लिए करीब दो किलोमीटर पैदल रास्ता तय करना पड़ा, बावजूद इसके श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखाई दी।

सम्पादकीय

आपदा मानकर तैयारी बढ़ाने की जरूरत

हाल के दिनों में आसमान से बरसती आग से देश में जन-जीवन बुरी तरह झुलस रहा है। रोज तापमान बढ़ने के नये रिकॉर्ड सामने आ रहे हैं। ये असहनीय तापमान केवल स्वास्थ्य की चुनौती मात्र नहीं है, बल्कि एक आर्थिक संकट भी है। देश में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक भीषण गर्मी में काम करने को मजबूर हैं। यदि वे ऐसा न करें तो उनके सामने आजीविका का संकट पैदा हो जाता है। स्कूल-कालेज तो लू के दौरान बंद किए जा सकते हैं, सरकारी व गैर सरकारी दफ्तरों में काम के घंटों में बदलाव किया जा सकता है, लेकिन खेत में काम करने वाले खेतिहर मजदूर व निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को तो तपती दोपहरी व लू के बीच काम करने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, लू की मार जहां शारीरिक है, वहीं आर्थिक भी। लगातार बढ़ते तापमान से लोगों की आजीविका और श्रम उत्पादकता पर बुरा असर पड़ रहा है। इस संकट को हाल के दिनों में हुई ईंधन की कीमतों की वृद्धि और महंगाई ने और बढ़ा दिया है। लोगों को सीमित संसाधनों में जीवन यापन को मजबूर होना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे घातक प्रभाव उस तबके को सहन करना पड़ता है जो 'रोज कुंआ खोदकर पानी पीने' को बाध्य है। एक दिन की कमाई से ही रात को उसके घर का चूल्हा जलता है। लू के निशाने पर वे अनौपचारिक श्रमिक हैं जो भारतीय आर्थिकी की रीढ़ है। सही मायनों में लू के खिलाफ लड़ाई को अब केवल एक मौसमी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या ही नहीं माना जा सकता है। धीरे-धीरे यह एक गंभीर आर्थिक चुनौती भी बनी है। अनेक अंतर्राष्ट्रीय संगठन इस बाबत चेताते रहे हैं। वर्ष 2024 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अनुमान लगाया था कि लू से उपजे हालात से भारत को सौ अरब डॉलर का नुकसान हुआ था।इससे पहले वर्ष 2022 में विश्व बैंक ने चेतावनी दी थी कि भारत का तीन-चौथाई श्रमिक वर्ग लू से प्रभावित क्षेत्रों में काम करने को मजबूर है। अनुमान है कि लू के तनाव के कारण होने वाली विश्वव्यापी नौकरियों की कमी में भारत की हिस्सेदारी आधी हो सकती है। दरअसल, भारत में सबसे अधिक जोखिम वाले समूहों में निर्माण श्रमिक, खेतिहर श्रमिक, किसान, स्ट्रीट वेंडर और डिलीवरी एजेंट शामिल हैं। हालांकि, समय-समय पर केंद्र व राज्य सरकारों ने कार्य समय का पुनर्निधारण, छायादार विश्राम क्षेत्र बनाने, जलपान सुविधा, सुरक्षात्मक कपड़े और स्वास्थ्य निगरानी को लेकर एडवाइजरी जारी की है,लेकिन फिर भी संकट के दायरे को देखते हुए ये उपाय नाकाफी हैं। देखा जाए तो फिलहाल भारत में गर्मी के संकट से मुकाबले के लिये बनायी गई योजनाएं काफी हद तक अस्थायी रूप से राहत देने वाली हैं। ऐसा तंत्र विकसित करने की जरूरत है जो लू चलने के दौरान सुरक्षित कार्य परिस्थितियों को एक मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता प्रदान करे। इस साल के आरंभ में वित्त आयोग ने सिफारिश की थी कि भीषण गर्मी के दौरान चलने वाली लू को आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत अधिसूचित आपदाओं की सूची में शामिल किया जाए। सहायता प्रदान करने में मदद देगा। इसके अलावा लू के दौरान कई अन्य नकारात्मक प्रभाव भी देखने में आते हैं। मसलन इस समय बिजली व पानी की खपत अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाती है। इससे निबटने के लिये मजबूत और सक्रिय तंत्र विकसित करने की जरूरत है। निर्विवाद रूप से देश के नीति-निर्माताओं और अन्य हितधारकों के सामने इस संकट से मुकाबले के लिये स्पष्ट विकल्प मौजूद हैं। केंद्र व राज्य सरकारों को चाहिए कि समय रहते निर्णायक रूप से अनुकूलन का तंत्र विकसित करें।

भारत में बढ़ते साइबर हमले
एक चिंताजनक परिदृश्य

डेटा सुरक्षा और सरकारी अनुपालन की बढ़ती अनिवार्यता

भारत में साइबर युग की नई चुनौती

भारत तीव्र गति से डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर है, जहाँ इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 80त्न से अधिक घरों तक पहुँच चुकी है। इस डिजिटल विस्तार ने जहाँ आर्थिक अवसरों को बढ़ाया है, वहीं डेटा सुरक्षा और गोपनीयता को लेकर गंभीर चुनौतियाँ भी उत्पन्न की हैं। ऐसे परिदृश्य में डेटा संरक्षण और सरकारी अनुपालन (compliance) अब केवल तकनीकी विषय नहीं रह गए, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और नागरिक अधिकारों के मूल स्तंभ बन चुके हैं। भारत में साइबर अपराधों की संख्या पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ी है। वर्ष 2022 में जहाँ 10.29 लाख साइबर घटनाएँ दर्ज हुईं, वहीं 2024 तक यह संख्या बढ़कर 22.68 लाख हो गई।

(निखिलेश मिश्रा, पूर्व सूचना प्रौद्योगिकी अधिकारी)

साल 2025 में स्थिति और गंभीर हो गई, जब लगभग 28.15 लाख साइबर अपराध मामलों की रिपोर्ट दर्ज की गई और नागरिकों को ?22,495 करोड़ का आर्थिक नुकसान हुआ। इसके अतिरिक्त, विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार भारत ने 2025 में 265 मिलियन (26.5 करोड़) से अधिक साइबर हमलों का सामना किया, जो देश की डिजिटल संरचना पर बढ़ते खतरे को दर्शाता है। यह आँकड़े स्पष्ट संकेत देते हैं कि डेटा अब सबसे मूल्यवान संसाधन बन चुका है-और उसी अनुपात में यह सबसे बड़ा लक्ष्य भी बन गया है।

इन खतरों से निपटने के लिए भारत सरकार ने Digital Personal Data Protection Act, 2023 (DPDP Act) और इसके तहत 2025 के नियम लागू किए हैं। यह कानून डेटा के संग्रह, उपयोग और संरक्षण के लिए एक व्यापक ढाँचा प्रदान करता है।

इस कानून के तहत

कंपनियों को उपयोगकर्ता की सहमति के बिना डेटा उपयोग की अनुमति नहीं है

डेटा उल्लंघन (data breach) होने पर 72 घंटे के भीतर रिपोर्ट करना अनिवार्य है

नियमों का उल्लंघन करने पर 250 करोड़ तक का जुर्माना लगाया जा सकता है

इससे स्पष्ट है कि अब डेटा सुरक्षा केवल तकनीकी आवश्यकता नहीं, बल्कि कानूनी बाध्यता बन चुकी है।

बैंकिंग और डिजिटल भुगतानः सबसे अधिक जोखिम

भारत में डिजिटल भुगतान (UPI, नेट बैंकिंग) के विस्तार के साथ साइबर अपराधों का स्वरूप भी बदल गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, निवेश धोखाधड़ी (investment scams) कुल वित्तीय नुकसान का लगभग 76% हिस्सा हैं।

साथ ही, 2025 में बैंकिंग क्षेत्र में 248 से अधिक डेटा उल्लंघन (data breaches) दर्ज किए गए, जो वित्तीय संस्थानों की संवेदनशीलता को दर्शाता है।

यह स्थिति बताती है कि नागरिकों की व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी सीधे हमलावरों के निशाने पर है।

आज की पत्रकारिताः 'मीडिया संस्थान बनने से बचें'

आज के डिजिटल और सोशल मीडिया के युग में सूचनाओं का प्रवाह अभूतपूर्व रूप से तेज हो गया है। स्मार्टफोन और इंटरनेट ने हर व्यक्ति के हाथ में एक न्यूज चैनल थमा दिया है। लेकिन इस तकनीकी क्रांति ने मुख्यधारा की पत्रकारिता (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया) के सामने एक गम्भीर चुनौती खड़ी कर है। अक्सर देखा जा रहा है कि मीडिया संस्थानों में कार्यरत पत्रकार खबर का संकलन करने के बाद, उसे अपने संस्थान के माध्यम से प्रसारित करने के बजाय, अपने निजी व्हाट्सएप ग्रुप, फेसबुक, एक्स (ट्विटर) या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ब्रेकिंग न्यूज के रूप में खुद ही पोस्ट कर देते हैं।

श्याम सिंह 'पंवार'
वरिष्ठ पत्रकार

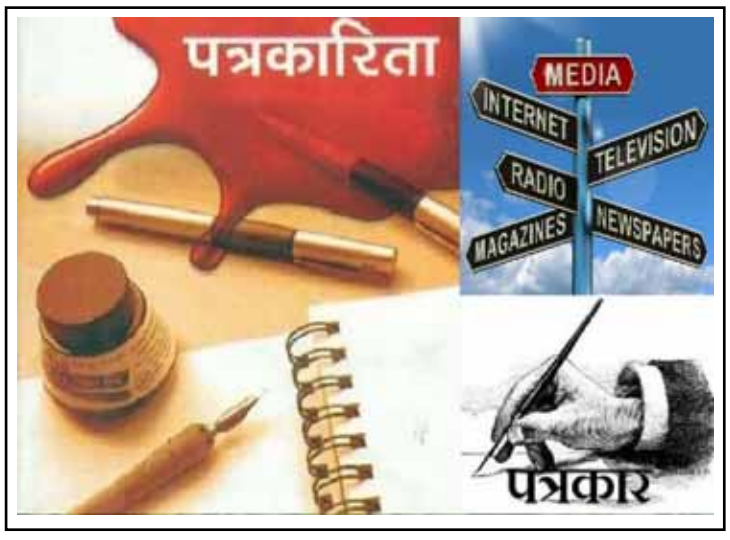

यह प्रवृत्ति पत्रकारिता के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ है। हाल के दिनों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां बिना सोचे-समझे सोशल मीडिया पर डाली गई खबरों के कारण पत्रकारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई हैं और उन्हें कानूनी पेचीदगियों का सामना करना पड़ा है।

स्मरण रहे कि जब कोई खबर किसी प्रतिष्ठित समाचार पत्र या न्यूज चैनल के माध्यम से प्रसारित होती है, तो उस खबर की कानूनी जिम्मेदारी काफी हद तक संस्थान की होती है।

संस्थान की लीगल टीम किसी भी विवाद की स्थिति में पत्रकार के साथ खड़ी होती है। लेकिन जब आप अपने निजी हैंडल से खबर डालते हैं, तो आप पूरी तरह से अकेले होते हैं। किसी भी विवाद, मानहानि या गलत सूचना की स्थिति में सीधी एफआईआर पत्रकार पर होती है।

मीडिया संस्थानों में गेटकीपिंग की एक व्यवस्था होती है, जहां उप-सम्पादक और सम्पादक खबर के तथ्यों, भाषा और कानूनी पहलुओं की जांच करते हैं।

सोशल मीडिया पर सीधे पोस्ट करने से यह प्रक्रिया खत्म हो जाती है।

कोई भी खबर मिलते ही सबसे पहले उसे अपने डेस्क, इनपुट टीम या सम्पादक तक पहुंचाएं।

खबर को संस्थान के प्लेटफॉर्म (टीवी, अखबार या उनकी आधिकारिक वेबसाइट) पर ब्रेकिंग बनने दें। जब संस्थान उस खबर को अपने आधिकारिक हैंडल से पोस्ट कर दे, तब आप उसे अपनी वॉल पर शेयर या रीपोस्ट करें।

इससे आपकी क्रेडिट भी बनी रहेगी और आप कानूनी रूप से काफी हद तक सुरक्षित भी रहेंगे।

डिजिटल दौर में वायरल होने का प्रलोभन बहुत सुरक्षित नहीं है और इसके परिणाम बेहद गम्भीर हो सकते हैं। जेल की सलाखों या अदालतों के चक्कर काटने से बेहतर है कि पत्रकारिता के स्थापित नियमों का पालन किया जाए। खबर का संकलन करना आपका काम है, और उसका सुरक्षित व प्रामाणिक प्रसारण करना आपके संस्थान का।

पुरानों का 'खेला' फिर बढ़ाएगा सपा की टेंशन

बिल्हौर में विपक्ष से ज्यादा लड़ाई सपा के अपने ही कुनबे में

रिजवान कुरैशी/ स्वराज इण्डिया

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर विधानसभा में समाजवादी पार्टी की अंदरूनी राजनीति एक बार फिर गर्म होती दिखाई दे रही है। चुनाव भले अभी दूर हों, लेकिन पार्टी के पुराने घाघ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अभी से अपने-अपने मोर्चे संभाल लिए हैं। कोई खुद को असली दावेदार बता रहा है तो कोई अपने गुट के चेहरे को आगे बढ़ाने में जुट गया है।

सूत्रों के मुताबिक पिछले विधानसभा चुनाव में भी पार्टी का झंडा उठाने वाले कई पुराने चेहरे नए नेतृत्व को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाए थे। पार्टी ने युवा महिला चेहरे पर दांव लगाया था, लेकिन अंदरखाने विरोध की चर्चाएं लगातार होती रहीं। ऊपर से समर्थन और भीतर से असहयोग का खेल पूरे चुनाव में चर्चा का विषय बना रहा। राजनीतिक गलियारों में तो यहां तक कहा गया कि कुछ पुराने खिलाड़ियों ने चुपचाप ऐसा खेल कर दिया, जिसका सीधा नुकसान पार्टी को उठाना पड़ा। अब 2027 के चुनाव से पहले वही कहानी फिर दोहराती नजर आ रही है। अलग-अलग गुट अपने-अपने दावेदार लेकर मैदान में उतर चुके हैं। कोई खुद को प्रदेश नेतृत्व के करीब बता रहा है तो कोई दिल्ली और लखनऊ तक सीधी पकड़ होने का दावा कर रहा है।

टिकट की चर्चाओं के साथ बैठकों, पोस्टरबाजी और शक्ति प्रदर्शन का दौर भी शुरू हो चुका है। सपा के अंदर ही चर्चा है कि कई पुराने नेता सिर्फ चुनावी मौसम में सक्रिय होकर संगठन पर पकड़ बनाए रखना चाहते हैं। वे किसी नए और मजबूत स्थानीय चेहरे को उभरते नहीं देखना चाहते। यही वजह है कि अभी से दावेदारी उसकी नहीं, हमारी है वाला माहौल तैयार किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर भी समर्थकों के बीच टीका-टिप्पणी और अप्रत्यक्ष बयानबाजी शुरू हो चुकी है। फेसबुक पोस्ट, व्हाट्सऐप स्टेटस और स्थानीय ग्रुपों में एक-दूसरे पर निशाना साधा जा रहा है। कार्यकर्ताओं के बीच यह संदेश देने की कोशिश हो रही है कि असली पुराना सिपाही कौन है और संगठन पर असली पकड़ किसकी है। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि अगर समय रहते गुटबाजी पर लगाम नहीं लगी, तो 2027 में भी सपा को अंदरूनी लड़ाई भारी पड़ सकती है। चर्चा तो यहां तक है कि अगर किसी एक गुट के पसंदीदा चेहरे को टिकट नहीं मिला, तो दूसरा गुट फिर खेला कर सकता है। फिलहाल बिल्हौर में विपक्ष से ज्यादा लड़ाई सपा के अपने कुनबे के भीतर दिखाई दे रही है।

दो दिन पहले ही सपा की संगठनात्मक बैठक में हाथापाई की नौबत आ गई थी

मठाधीशी बचाने की लड़ाई में उलझी सपा!

राजनीतिक जानकारों की मानें तो बिल्हौर में सपा के पुराने चेहरे नए लोगों को इसलिए भी आसानी से आगे नहीं बढ़ने देना चाहते, क्योंकि उन्हें अपनी मठाधीशी खत्म होने का डर सता रहा है। चर्चा है कि कई पुराने नेता नहीं चाहते कि कोई मजबूत लोकल चेहरा सीधे जनता और संगठन में पकड़ बना ले। सूत्र बताते हैं कि अगर कोई नया चेहरा आगे भी आता है, तो उससे अपेक्षा रहती है कि वह पार्टी कार्यालय से ज्यादा पुराने नेताओं के दरबार में हाजिरी लगाए। यही वजह है कि संगठन से ज्यादा व्यक्तिगत वर्चस्व की राजनीति हावी दिखाई दे रही है।कई कार्यकर्ताओं का मानना है कि बिल्हौर में सपा की सबसे बड़ी चुनौती विपक्ष नहीं, बल्कि अंदरूनी खींचतान बनती जा रही है। पुराने और नए चेहरों की यह लड़ाई आने वाले समय में और खुलकर सामने आ सकती है।

सोशल मीडिया पर समर्थकों की टीका-टिप्पणी शुरू

- अभी से शुरू हुई अंदरूनी जंग, चुनाव दूर, लेकिन सपा के पुराने खिलाड़ियों ने शुरू किया टिकट का खेल
- अपना-अपना प्रत्याशी लेकर घूम रहे घाघ नेता, टिकट का सपना दिखाकर दावेदारों को कर रहे हल्का
- कोई खुद को अखिलेश का करीबी बता रहा, कोई दिल्ली-लखनऊ में पकड़ का दावा कर दावेदारों को करा रहा खर्च
- पिछले चुनाव में नए चेहरे को नहीं पचा पाए थे पुराने घाघ खिलाड़ी, अब 2027 से पहले फिर तेज हुई गुटबाजी

तो पहले से ही प्लान था आंखें चार करने का!

हाल ही में ककवन ब्लॉक के नया नेवादा गांव में प्रभारी पुष्पराज यादव के नेतृत्व में हुई बैठक में जिस तरह विवाद की स्थिति बनी, उसके पीछे अब जिले और लोकल स्तर के कुछ पूर्व पदाधिकारियों की सक्रिय भूमिका की चर्चा भी सामने आने लगी है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि पूरी बैठक के दौरान एक खास नेता को हल्का साबित करने की रणनीति पर काम हुआ। सूत्रों की मानें तो प्रभारी पुष्पराज यादव इस समय बिल्हौर के कुछ घाघ नेताओं के प्रभाव में दिखाई दे रहे हैं। यही वजह रही कि बैठक संगठनात्मक कम और शक्ति प्रदर्शन ज्यादा बनकर रह गई। कई कार्यकर्ताओं का कहना है कि जो भी नेता इन पुराने गुटों के ज्यादा संपर्क में आया, उसका राजनीतिक नुकसान ही हुआ। आरोप है कि कुछ चेहरे संगठन से ज्यादा अपनी पकड़ और वर्चस्व बचाने की राजनीति में लगे रहते हैं। कस्बे और ग्रामीण क्षेत्र के कई कार्यकर्ता भी कथित तौर पर ऐसी कार्यशैली से नाराज बताए जा रहे हैं। यही कारण है कि धीरे-धीरे कई लोग पुराने घाघ नेताओं से दूरी बनाते नजर आ रहे हैं। हालांकि पार्टी स्तर पर कोई खुलकर सामने नहीं आ रहा, लेकिन अंदरखाने नाराजगी लगातार बढ़ती दिखाई दे रही है

रिटायर्ड कृषि कर्मचारी की संदिग्ध मौत पर परिवार में बवाल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर क्षेत्र में रिटायर्ड कृषि कर्मचारी की मौत के बाद परिवार में विवाद खड़ा हो गया। बेटे ने पिता की मौत को संदिग्ध बताते हुए शरीर पर चोट के निशान होने का दावा किया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

मामला शिवराजपुर थाना क्षेत्र के इंधना गांव का है। यहां के रहने वाले 72 वर्षीय रामगोपाल यादव कृषि विभाग से सेवानिवृत्त थे। वह पिछले करीब डेढ़ साल से अपनी बेटी और दामाद के साथ रह रहे थे। रविवार सुबह बेटी और दामाद उनका शव गांव लेकर पहुंचे तो मामला गरमा गया।सूचना पर पहुंचे बेटे मनीष यादव ने आरोप लगाया कि पिता के शरीर पर चोट के निशान थे। उन्होंने पुलिस को सूचना देकर पोस्टमार्टम और मामले की जांच की मांग की। बेटे का कहना है कि पिता बीमार जरूर थे, लेकिन शरीर पर मिले निशान कई सवाल खड़े कर रहे हैं।

परिजनों ने बेटी और दामाद पर संपत्ति हड़पने का आरोप भी लगाया है। उनका कहना है कि कुछ महीने पहले जमीन का बैनामा, मकान की वसीयत और कार का ट्रांसफर अपने नाम कराया गया था। बैंक खाते से रकम निकालने के भी आरोप लगाए गए हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, गांव में दोनों पक्षों के बीच कहासुनी भी हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शिवराजपुर थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लावारिस बाइक से तमंचा-कारतूस बरामद, किशोर फरार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। कस्बे के बस स्टैंड स्थित देवी शराब ठेके के पास रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक लावारिस बाइक से तमंचा, कारतूस और धारदार सामान बरामद हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बाइक समेत सभी सामान कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सुबह करीब 9 बजे एक किशोर बाइक से कानपुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान बस स्टैंड के पास उसकी बाइक आगे चल रही साइकिल से टकरा गई।

बाइक में टंगे झोले में यह सामान बरामद हुआ

हादसे के बाद किशोर घबराकर बाइक मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने बाइक के हैंडल में टंगा झोला देखा तो उसमें तमंचा, चार कारतूस, चाकू, तार काटने वाला कटर, सिगरेट और माचिस रखी मिली। हथियार मिलने की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाइक और सामान कब्जे में लेकर छानबीन शुरू कर दी। एसीपी बिल्हौर सुभाष चंद्र ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। बाइक नंबर के आधार पर फरार युवक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

खेत में सिंचाई के दौरान सर्पदंश से ग्राम रोजगार सेवक की मौत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बैंड़ी अलीपुर गांव में सोमवार सुबह खेत की सिंचाई के दौरान जहरीले सर्प के काटने से ग्राम रोजगार सेवक की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

गांव निवासी 32 वर्षीय विनोद कुमार गौतम पुत्र उमेश चंद्र ग्राम रोजगार सेवक के पद पर कार्यरत थे। सोमवार सुबह वह गांव के बाहर स्थित खेत में उड़द की फसल की सिंचाई करने गए थे।

⇨ एलएलआर अस्पताल में उपचार के दौरान तोड़ा दम, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

परिजनों के मुताबिक, इसी दौरान किसी जहरीले सर्प ने उन्हें डस लिया। शुरुआत में विनोद ने इसे सामान्य समझा, लेकिन कुछ देर बाद उनकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी।

हालत खराब होने पर वह किसी तरह घर पहुंचे और परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद स्वजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें कानपुर रेफर कर दिया। कानपुर के एलएलआर अस्पताल में इलाज के दौरान दोपहर में उनकी मौत हो गई। विनोद की मौत की खबर मिलते ही गांव में मातम छा गया। वह अपने पीछे पत्नी प्रियंका, बेटी निकिता और बेटे अयांश को छोड़ गए हैं। पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर मामले की जानकारी जुटाई। इंस्पेक्टर सुधीर कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला सर्पदंश से मौत का प्रतीत हो रहा है। वहीं तहसीलदार अनुभव चंद्रा ने बताया कि पीड़ित परिवार को शासन स्तर से आर्थिक सहायता दिलाने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

शारदा-सूतिया पर बना मजबूत बांध, निघासन के किसानों को बाढ़ से राहत की उम्मीद

राजा राजेश्वर सिंह के प्रयास रंग लाए, सिंचाई विभाग ने पूरा किया बांध निर्माण कार्य

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

- निघासन क्षेत्र में हर वर्ष बाढ़ से हजारों बीघा फसल प्रभावित होती रही है।
- पिछले साल लगाए गए तिगुडिया से बाढ़ का असर कम होने का दावा किया गया।
- बैलहा रपटा पुल और सूतिया क्षेत्र का संयुक्त निरीक्षण विभागीय टीम ने किया था।
- ग्रामीणों ने नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था मजबूत करने की मांग उठाई।
- नए बांध से बरसात में खेतों और गांवों को राहत मिलने की उम्मीद बढ़ी है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करते बाढ़ खंड के अधिकारी व झंडी स्टेट के राजा राज राजेश्वर सिंह

लखीमपुर खीरी। निघासन क्षेत्र में वर्षों पुरानी बाढ़ समस्या के समाधान की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। हर साल बरसात के मौसम में शारदा की सूतिया नदी का जलस्तर बढ़ने से गांवों और खेतों में पानी भर जाता था, जिससे हजारों बीघा फसल बर्बाद हो जाती थी। लगातार हो रहे नुकसान से किसान आर्थिक संकट का सामना कर रहे थे। क्षेत्र के किसानों ने हाल ही में राजा राजेश्वर सिंह से मुलाकात कर अपनी पीड़ा साझा की थी। किसानों ने बताया कि बाढ़ के कारण खेती करना मुश्किल होता जा रहा है और हर वर्ष फसल चौपट होने से परिवारों की आजीविका प्रभावित हो रही है। किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए राजा राजेश्वर सिंह ने मामला शासन स्तर तक पहुंचाया और मुख्यमंत्री सहित सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निघासन क्षेत्र की स्थिति से अवगत कराया।

इसके बाद प्रशासन और सिंचाई विभाग सक्रिय हुआ। पिछले वर्ष लालबोझी शारदा सूतिया क्षेत्र में तिगुडिया लगाए जाने से बाढ़ का असर पहले की तुलना में कम हुआ था और किसानों की फसल काफी हद तक बच गई थी। इसी क्रम में लगभग एक माह पूर्व बाढ़ खंड और सिंचाई विभाग की संयुक्त टीम ने बैलहा रपटा पुल, लालबोझी और सूतिया क्षेत्र का निरीक्षण कर बाढ़ नियंत्रण के उपायों पर चर्चा की थी। ग्रामीणों ने नालों की सफाई और अतिरिक्त पानी की निकासी की मांग भी अधिकारियों के सामने रखी थी।रविवार को लालबोझी शारदा सूतिया क्षेत्र में बांध निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया। अधिकारियों के अनुसार बांध को और मजबूत बनाने के लिए दोनों ओर अतिरिक्त सुरक्षा कार्य भी कराए जाएंगे। उम्मीद जताई जा रही है कि इससे घाघी क्षेत्र में आने वाले अतिरिक्त पानी पर काफी हद तक नियंत्रण हो सकेगा। बांध निर्माण पूरा होने से किसानों में खुशी और राहत का माहौल है।

नैमिषारण्य-मथुरा रेल जोड़ो अभियान को मिल रहा जनसमर्थन

प्राचीनतम तीर्थ स्थलों में शामिल नैमिषारण्य धार्मिक सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है

प्रमुख संवाददाता , स्वराज इंडिया

लखनऊ।सीतापुर के नैमिषारण्य-मथुरा रेल जोड़ो अभियान समिति के प्रतिनिधिमंडल ने लखनऊ उत्तर विधायक नीरज बोरा से मुलाकात कर नैमिषारण्य को मथुरा-वृंदावन से रेलमार्ग द्वारा जोड़ने की मांग उठाई। समिति ने बताया कि विश्व के प्राचीनतम तीर्थ स्थलों में शामिल नैमिषारण्य धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन अब तक यहां सीधी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी है।प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि नैमिषारण्य से हरदोई तक करीब 112 किलोमीटर रेल लाइन बनने से लाखों श्रद्धालुओं, साधु-संतों और पर्यटकों को बड़ी सुविधा मिलेगी। इससे नैमिषारण्य, हरदोई, फर्रुखाबाद, कासगंज, मथुरा तथा आसपास के क्षेत्रों में पर्यटन और व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।समिति के पदाधिकारियों ने अवगत कराया कि प्रस्तावित रेल मार्ग से लगभग 30 लाख लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही यह परियोजना प्रदेश के धार्मिक पर्यटन को नई पहचान देने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ाएगी।प्रतिनिधिमंडल की मांग को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित स्तर पर सकारात्मक पहल का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व वाले क्षेत्रों की बेहतर कनेक्टिविटी से प्रदेश के विकास को गति मिलेगी।इस दौरान अभियान समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

नक्शा पास कराने में राहत, बेटरमेंट चार्ज वसूली पर हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

इलाहाबाद हाईकोर्ट बोला- विकास कार्य बिना नहीं वसूला जा सकता बेटरमेंट चार्ज

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने नक्शा स्वीकृति से जुड़े एक अहम मामले में बड़ा आदेश देते हुए कहा है कि बिना विकास कार्य किए विकास प्राधिकरण बेटरमेंट चार्ज नहीं वसूल सकते। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि आवेदक अन्य सभी वैध शुल्क जमा कर देता है तो संबंधित विकास प्राधिकरण को नियमानुसार नक्शा पास करना होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति एमसी त्रिपाठी और न्यायमूर्ति कुणाल रवि सिंह की खंडपीठ ने याची प्रतीक सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

याचिका में प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा बेटरमेंट चार्ज की मांग को चुनौती दी गई थी। अधिवक्ता सुनील दत्त कौटिल्य ने कोर्ट में दलील दी कि उप्र नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 35 के तहत तभी बेटरमेंट चार्ज लगाया जा सकता है, जब संबंधित क्षेत्र में वास्तविक विकास कार्य किया गया हो।खंडपीठ ने सुप्रीम कोर्ट के 'मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण बनाम राजेश शर्मा' मामले का हवाला देते हुए कहा कि राज्य सरकार या विकास प्राधिकरण कानून में निर्धारित शुल्कों के अतिरिक्त कोई अन्य फीस नहीं वसूल सकते। कोर्ट ने साफ किया कि इम्पैक्ट फीस, निरीक्षण शुल्क, पर्यवेक्षण शुल्क और अन्य अतिरिक्त चार्ज संविधान के अनुच्छेद 265 की भावना के विपरीत हैं, क्योंकि कानून में उल्लेख न होने पर कोई टैक्स या फीस नहीं लगाई जा सकती।

हाईकोर्ट के इस आदेश को प्रदेश के हजारों बिल्डरों, मकान मालिकों और नक्शा पास कराने वाले आवेदकों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। कोर्ट ने मामले को विचारणीय मानते हुए प्रयागराज विकास प्राधिकरण और राज्य सरकार समेत अन्य पक्षों को तीन सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

‘लठिया दो, काम मत होने दो जब तक हम हरी झंडी न दें!’

सरकारी काम में रोड़ा डालने के लिए उकसाते हुए भाजपा विधायक का वीडियो वायरल

38 करोड़ की नहर पटरी सड़क परियोजना पर बयान से मचा बवाल, भूमि पूजन के दौरान वायरल हुआ वीडियो

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र में नहर पटरी मार्ग के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य को लेकर भाजपा विधायक पूनम संखवार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में विधायक ग्रामीणों से कथित तौर पर यह कहते हुए सुनाई दे रही हैं कि काम मत होने देना, ठेकेदार आए तो लठिया दो, जब तक हम हरी झंडी न दें तब तक काम मत होने देना। वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। दिलचस्प बात यह है कि जिस सड़क निर्माण कार्य को लेकर यह बयान सामने आया, उसी परियोजना के शुभारंभ के लिए विधायक स्वयं भूमि पूजन कार्यक्रम में पहुंची थीं। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि एक ओर सरकारी परियोजना का शुभारंभ और दूसरी ओर काम रुकवाने जैसी टिप्पणी आखिर किस ओर इशारा करती है।

जानकारी के अनुसार रसूलाबाद क्षेत्र में हरी निवादा नहर पटरी मार्ग के करीब 21 किलोमीटर लंबे चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 38 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत की गई है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद हाल ही में कार्य प्रारंभ कराने के लिए भूमि पूजन किया गया था। इसी कार्यक्रम के दौरान का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वीडियो वायरल होने के बाद लोग अपने-अपने तरीके से इसकी व्याख्या कर रहे हैं। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी है कि ई-टेंडरिंग प्रक्रिया के जरिए कार्य हासिल करने वाले ठेकेदार और जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय नहीं बन पाने की वजह से विवाद की स्थिति बनी। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कुछ लोगों का कहना है कि यदि विधायक को कार्य की गुणवत्ता को लेकर आशंका थी तो वह संबंधित अधिकारियों – जेई, एई या एक्सईएन – को निर्देश देकर गुणवत्ता सुनिश्चित करा सकती थीं। ग्रामीणों को काम रोकने या विरोध के लिए प्रेरित करने जैसे बयान को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं।

हालांकि विधायक पूनम संखवार ने वायरल वीडियो को लेकर अपनी सफाई भी दी है। उनका कहना है कि ग्रामीणों ने शिकायत की थी कि ठेकेदार खेतों से मिट्टी उठा रहा है और मनमाने तरीके से काम शुरू कर दिया गया है। इस पर उन्होंने ग्रामीणों से केवल इतना कहा था कि गलत तरीके से काम न होने दें और किसी भी गड़बड़ी की सूचना उन्हें दें।

विधायक ने दी सफाई

विधायक पूनम संखवार ने कहा कि,जनता के लिए काम स्वीकृत कराया गया है। पूजन करके शिलान्यास किया गया। उसी दौरान ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदार खेतों से मिट्टी उठा रहा है। इस पर मैंने कहा था कि ऐसा न होने देना और जबरन काम करे तो मुझे बताना। जनता के हित में बात कहना जरूरी है। ठेकेदार खानापूरी करके भागने की कोशिश करेगा तो ऐसा नहीं होने दिया जाएगा।

फिलहाल वीडियो को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है। हालांकि वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

दहेज में बाइक की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को घर से निकाला, चार पर केस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर नगर निवासी एक विवाहिता ने भोगनीपुर कोतवाली में अपने ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और घर से निकालने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने पति समेत चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कानपुर नगर के देवीपुरवा गढ़ेलामऊ थाना रेउना निवासी हिमांशी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 6 मार्च 2025 को भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पुरैनी गांव निवासी अनिल यादव के साथ हुई थी। विवाह में उसके पिता ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान-दहेज दिया था। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही ससुरालीजन दहेज में मोटरसाइकिल की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर उसे मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। पीड़िता ने बताया कि बीती 9 जनवरी 2026 को ससुरालीजनों ने उसके साथ मारपीट की और घर से निकाल दिया। भोगनीपुर पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर पति अनिल यादव, ससुर दुर्गा प्रसाद, जेठ अशोक यादव और जेठानी अनिता निवासी पुरैनी भोगनीपुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

बर्बादी

सिंचाई विभाग की लापरवाही से तबाह हुई किसानों की मेहनत

क्षमता से अधिक पानी छोड़ने से फटी मन्यौरा बम्बी, सैकड़ों बीघा उर्द-मूंग की फसल जलमग्न

» रसूलाबाद क्षेत्र में मचा हाहाकार, खेतों में उतरे किसान, सूचना पर हरकत में आया सिंचाई विभाग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र में सिंचाई विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है। पूरनपुरवा गांव के पास स्थित मन्यौरा बम्बी में क्षमता से अधिक पानी छोड़े जाने के कारण उसकी पटरी फट गई, जिससे आसपास के किसानों की सैकड़ों बीघा उर्द और मूंग की फसलें पानी में डूब गईं। देखते ही देखते खेत तालाब में तब्दील हो गए और किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिर गया।

घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। किसान खेतों में उतरकर बाल्टी, पाइप और पंप के सहारे पानी निकालने में जुट गए, लेकिन तेज बहाव के आगे उनकी कोशिशें नाकाफी साबित हुईं। खेतों में भरे पानी के कारण फसलें सड़ने लगी हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। ग्रामीणों का आरोप है कि मन्यौरा बम्बी में बिना क्षमता का आकलन किए अत्यधिक पानी छोड़ दिया गया। नतीजा यह हुआ कि बम्बी का दबाव बढ़ गया और उसकी पटरी टूट गई। पानी का तेज बहाव सीधे किसानों के खेतों में घुस गया। पूरनपुरवा ग्राम प्रधान श्रीचंद्र संखवार ने बताया कि क्षेत्र के किसान पहले से ही मौसम की मार झेल रहे थे, ऊपर से सिंचाई विभाग की इस लापरवाही ने किसानों की कमर तोड़ दी है। किसान कमलाकांत, सुबोध, राम आसरे समेत कई ग्रामीणों ने कहा कि यदि समय रहते पानी नियंत्रित किया जाता तो फसलें बचाई जा सकती थीं।किसानों का कहना है कि उर्द और मूंग की फसल इस समय तैयार होने की स्थिति में थी, लेकिन जलभराव के कारण पूरी फसल खराब होने की कगार पर पहुंच गई है। किसानों ने प्रशासन से नुकसान का सर्वे कराकर मुआवजा दिलाने की मांग की है।

घटना की सूचना मिलते ही सिंचाई विभाग के अधिकारियों में हड़कंप मच गया। किसानों की शिकायत पर तत्काल ऊपर से पानी बंद कराया गया। सहायक अभियंता नहर विभाग राजेश यादव ने बताया कि बम्बी की टूटी पटरी की मरम्मत कराई जा रही है। खांदी बंधवाने के बाद ही दोबारा पानी छोड़ा जाएगा। विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर स्थिति पर नजर बनाए हुए है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसानों को इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

रात में चला मेगा अभियान: 15 ओवरलोड ट्रक सीज, माफियाओं में मचा हड़कंप

डीएम कपिल सिंह के निर्देश पर रातभर चला मेगा अभियान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। शासन के निर्देशों एवं जिलाधिकारी कपिल सिंह की सख्त निगरानी में जनपद में अवैध खनन और ओवरलोडिंग के खिलाफ अब निर्णायक कार्रवाई शुरू हो गई है। भोगनीपुर क्षेत्र में देर रात चले संयुक्त मेगा अभियान में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बालू और मौरंग से ओवरलोड चल रहे 15 वाहनों को सीज कर दिया। कार्रवाई के बाद परिवहन कारोबारियों और ओवरलोडिंग कराने वालों में हड़कंप मच गया।

सूत्रों के मुताबिक लंबे समय से क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों के संचालन की शिकायतें मिल रही थीं।

इसे गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने पुलिस, खनन विभाग, परिवहन विभाग और सेल टैक्स टीम के साथ संयुक्त रणनीति बनाई। इसके बाद देर रात भोगनीपुर क्षेत्र में कई स्थानों पर चेकिंग अभियान चलाया गया।

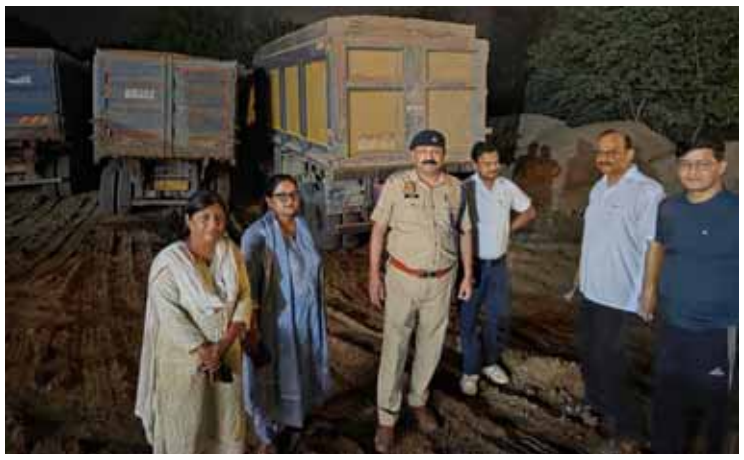

अभियान का नेतृत्व उप जिलाधिकारी भोगनीपुर देवेंद्र सिंह ने किया। उनके साथ क्षेत्राधिकारी भोगनीपुर, एआरटीओ, खनन अधिकारी एवं सेल टैक्स विभाग की टीमें मौजूद रहीं। टीम ने हाईवे और प्रमुख मार्गों पर बैरियर लगाकर एक-एक वाहन की गहन जांच की। जांच के दौरान कई ट्रक और डंपर निर्धारित क्षमता से कहीं अधिक बालू और मौरंग लादकर दौड़ते मिले।

दस्तावेजों और वजन की जांच में नियमों का खुला उल्लंघन सामने आने पर अधिकारियों ने तत्काल 15 वाहनों को सीज कर दिया। कार्रवाई के दौरान कई वाहन चालक रास्ता बदलते नजर आए, जबकि कुछ वाहन मौके से भागने का प्रयास करते भी देखे गए।

अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि ओवरलोडिंग सिर्फ नियमों का उल्लंघन नहीं बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। इससे जहां सड़क हादसों की आशंका बढ़ती है, वहीं करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़कों को भी भारी नुकसान पहुंचता है। शासन की मंशा के अनुरूप अब ऐसे वाहनों और अवैध खनन में शामिल लोगों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले में किसी भी कीमत पर ओवरलोडिंग और अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने चेतावनी दी कि अभियान में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने वाहन संचालकों और परिवहनकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग निर्धारित मानकों के अनुरूप ही वाहनों का संचालन करें। नियमों का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है, ताकि सड़क सुरक्षा के साथ-साथ सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके।

गुमटी में लगी आग, ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद, कानपुर देहात। कस्बे के सुभाष नगर इलाके में सोमवार सुबह अचानक लगी आग से अफरा-तफरी मच गई। महादेवन मंदिर के पीछे रखी एक गुमटी में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और गुमटी से तेज लपटें उठने लगीं। आग की सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

जानकारी के अनुसार सुभाष नगर निवासी सुरेंद्र कुमार मिश्रा की गुमटी महादेवन मंदिर के पीछे रखी थी। सोमवार सुबह अचानक गुमटी से धुआं उठता दिखाई दिया। जब तक लोग कुछ समझ पाते, आग ने पूरी गुमटी को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेज थी कि गुमटी में रखा तख्त, काउंटर, लकड़ी का सामान और अन्य घरेलू सामग्री जलकर राख हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। नगर पंचायत की पानी टंकी और वाटर सप्लाई की मदद से लोगों ने बाल्टियों और पाइप के जरिए पानी डालकर आग बुझाई। काफी देर तक चले प्रयास के बाद आग पर काबू पाया जा सका। लोगों की सतर्कता के चलते आग आसपास की अन्य दुकानों और मकानों तक नहीं पहुंच सकी, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना की सूचना तहसील प्रशासन को दी गई। सूचना मिलते ही राजस्व विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। तहसील सदर लेखपाल राधेश्याम ने बताया कि नियमानुसार क्षति का आकलन कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

जनगणना के प्रथम चरण का कार्य पूरा करने वाले पांच प्रगणक को किया सम्मानित

अरुण प्रताप सिंह राना, आशीष भान सिंह, उमेश कुमार, रिजवान खान और शैलेन्द्र सिंह को मिला सम्मान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनगणना के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं गणना का कार्य तय समय से पहले पूरा करने वाले पांच प्रगणकों को सोमवार को सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट कार्यशैली, जिम्मेदारी और समर्पण के लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

नगर पंचायत रसूलाबाद सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में नगर पंचायत अध्यक्ष देवशरण कमल एवं चार्ज अधिकारी कुलकमल सिंह ने प्रगणकों अरुण प्रताप सिंह राना, आशीष भान सिंह, उमेश कुमार, रिजवान खान और शैलेन्द्र सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

जनगणना फेस-1 के अंतर्गत 22 मई से मकानों के सूचीकरण, नजरी नक्शा तैयार करने और संबंधित अभिलेखों के संकलन का कार्य शुरू हुआ था। सम्मानित प्रगणकों ने जिले में सबसे पहले सभी निर्धारित कार्य पूर्ण करते हुए अभिलेख चार्ज अधिकारी को सौंप दिए।

प्रगणकों द्वारा नजरी नक्शा, कवरेज प्रमाण पत्र सहित सभी जरूरी दस्तावेज समय से जमा किए गए।

चार्ज अधिकारी कुलकमल सिंह ने कहा कि संबंधित प्रगणकों ने पूरी जिम्मेदारी और मेहनत के साथ कार्य को समय से पहले पूर्ण किया है, जो अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने अन्य प्रगणकों से भी अपील की कि शेष कार्य जल्द पूरा करें, ताकि नगर पंचायत रसूलाबाद जनपद और प्रदेश स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सके। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने सम्मानित प्रगणकों को बधाई देते हुए उनके कार्य की सराहना की।

भीषण गर्मी का असर: राजपुर पीएचसी में लगी मरीजों की लंबी कतार

» डॉक्टरने दी सलाह, धूप में बाहर न निकले, बिना चिकित्सकीय परामर्श न लें दवा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी का असर अब लोगों की सेहत पर साफ दिखाई देने लगा है। राजपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में इन दिनों उल्टी-दस्त, बुखार और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अस्पताल की ओपीडी में रोजाना बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं।सोमवार को दमनपुर गांव की राधा देवी और ममता देवी को लगातार दो दिनों से उल्टी-दस्त की शिकायत होने पर परिजन राजपुर पीएचसी लेकर पहुंचे। यहां तैनात चिकित्सक डॉ. अनूप द्विवेदी ने दोनों महिलाओं की जांच कर उन्हें महिला वार्ड में भर्ती कराया तथा हालत को देखते हुए ड्रिप चढ़ाई गई।चिकित्सक डॉ. अनूप द्विवेदी ने बताया कि तेज गर्मी और लापरवाही के कारण लोग तेजी से बीमार हो रहे हैं।

खासकर बाहर का फास्ट फूड, तली-भुनी एवं मसालेदार चीजों का अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित हो रहा है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक तरल पदार्थ लेने, स्वच्छ पानी पीने और धूप से बचने की अपील की।

उन्होंने सलाह दी कि घर से बाहर निकलते समय सिर को कपड़े या टोपी से ढककर रखें तथा पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें, जिससे लू और तेज धूप से बचाव हो सके

। साथ ही कहा कि बुखार, उल्टी या दस्त जैसे लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी सरकारी अस्पताल में जाकर इलाज कराएं और बिना डॉक्टर की सलाह के किसी भी बाहरी दवा का सेवन न करें।

भीषण गर्मी के चलते स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट मोड पर है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है।

तालाब में डूबने से तीन मासूमों की मौत, गांव में पसरा मातम

हमीरपुर के मौदहा क्षेत्र के खांडेह गांव में नहाने गए तीन बच्चों की तालाब में डूबने से मौत, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हमीरपुर। जिले के मौदहा कोतवाली क्षेत्र के खांडेह गांव में रविवार को दर्दनाक हादसे में तीन मासूम बच्चों की तालाब में डूबकर मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि तीनों बच्चे गांव के पास स्थित तालाब में नहाने गए थे। इसी दौरान गहरे पानी में चले जाने से वे डूबने लगे और देखते ही देखते हादसा हो गया।

स्थानीय लोगों ने बच्चों को तालाब से बाहर निकालकर तत्काल एक निजी डॉक्टर के पास पहुंचाया।

वहां हालत गंभीर देख डॉक्टर ने तीनों बच्चों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मौदहा रेफर कर दिया। सीएचसी पहुंचने पर डॉक्टरों की टीम ने जांच के बाद तीनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। बच्चों की मौत की खबर मिलते ही अस्पताल और गांव में कोहराम मच गया।

मृत बच्चों की उम्र क्रमशः 7 वर्ष, 8 वर्ष और 9 वर्ष बताई जा रही है। हादसे के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। ग्रामीणों के अनुसार गर्मी के चलते बच्चे अक्सर तालाब में नहाने जाते थे। इस दर्दनाक घटना के बाद गांव के लोगों ने तालाबों के आसपास सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों को रोका जा सके।

बिजली चोरी पकड़ने गई टीम पर हमला

» अवर अभियंता को घेरकर पीटा, ईंट से जानलेवा वार का आरोप

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अम्बेडकर नगर। अंबेडकर नगर के अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र में बिजली चेकिंग करने पहुंची टीम पर हमला होने से हड़कंप मच गया। विद्युत उपकेंद्र मरैला के अवर अभियंता रवि शंकर निषाद के नेतृत्व में टीम मोहल्ला शहजादपुर में जांच कर रही थी। इसी दौरान शाह मोहम्मद के घर पर चेकिंग में चेंज ओवर स्विच और अतिरिक्त केबल मिलने पर विवाद शुरू हो गया।

आरोप है कि पूछताछ करते ही उपभोक्ता पक्ष के लोग और उनके समर्थक उग्र हो गए तथा गाली-गलौज करते हुए टीम पर हमला बोल दिया। अवर अभियंता ने आरोप लगाया कि ÷मार डालो, कुचल डालो÷ कहते हुए आरोपियों ने ईंट से जानलेवा हमला कर दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पीड़ित की तहरीर पर अकबरपुर कोतवाली पुलिस ने रमजान अली, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद एजाज, शाहबे आलम, अब्दुल हक और अब्दुल्ला समेत अन्य लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

झाड़-फूंक के फेर में गई जान कोबरा के डसने से युवक की मौत

» छत पर सो रहे तीन युवकों को सांप ने डसा, शादी में आया रिश्तेदार भी गंभीर

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उरई। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के माधौगढ़ थाना क्षेत्र के बंगरा गांव में शनिवार रात दर्दनाक हादसा हो गया। भीषण गर्मी और बार-बार बिजली कटौती के चलते छत पर सो रहे एक ही परिवार के तीन युवकों को जहरीले कोबरा सांप ने डस लिया। घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि गांव निवासी ललन्जू परिहार की बेटी की अगले महीने शादी है। शादी में शामिल होने के लिए मध्य प्रदेश के रौन से रिश्तेदार पुनीत गांव आया था। शनिवार रात गर्मी के कारण 22 वर्षीय पुनीत, 23 वर्षीय अंशुल और 19 वर्षीय सुमित छत पर सो रहे थे। देर रात अचानक कोबरा ने तीनों को डस लिया। घबराए अंशुल ने किसी तरह सांप को मार डाला, लेकिन तब तक जहर शरीर में फैल चुका था।परिजनों ने युवकों को तुरंत अस्पताल ले जाने के बजाय पहले झाड़-फूंक कराने का प्रयास किया। उन्हें ग्राम डीहा ले जाया गया, लेकिन वहां से मना किए जाने के बाद उरई जिला अस्पताल पहुंचे। बाद में तीनों को झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने अंशुल को मृत घोषित कर दिया। हालांकि परिजन मौत मानने को तैयार नहीं हुए और बिना पोस्टमार्टम कराए शव को अपने साथ ले गए। वहीं पुनीत और सुमित का इलाज झांसी मेडिकल कॉलेज में जारी है और दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। उरई जिला अस्पताल के ईएमओ डॉ. रामजीत पटेल ने स्पष्ट किया कि अस्पताल में एंटीवेनम की कोई कमी नहीं थी और रातभर कोई भी सर्पदंश पीड़ित अस्पताल नहीं पहुंचा। वहीं झांसी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर हर्षवर्धन द्विवेदी ने कहा कि समय पर इलाज मिलने पर स्थिति अलग हो सकती थी। घटना के बाद गांव में दहशत और मातम का माहौल है।

हाईवे पर दूल्हे के हत्यारे रवि यादव का एनकाउंटर में अंत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जौनपुर। शादी के लिए फूलों से सजी कार में बारात लेकर जा रहे दूल्हे आजाद बिंद की हाईवे पर गोली मारकर हत्या करने वाले एक लाख रुपये के इनामी बदमाश रवि यादव को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया।

खेतासराय थाना क्षेत्र में रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात हुई इस मुठभेड़ में इंस्पेक्टर के.के. सिंह के हाथ में गोली लगी, जबकि एक अन्य पुलिसकर्मी की बुलेटप्रूफ जैकेट पर भी गोली लगी।

यह सनसनीखेज वारदात 1 मई की शाम सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के बड़अउर गांव में हुई थी। आजाद बिंद बारात लेकर बीबीपुर गांव जा रहा था, तभी हाईवे पर पहले से घात लगाए बाइक सवार बदमाशों ने उसकी कार पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली आजाद के सीने और जबड़े में लगी थी। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था।

पुलिस जांच में सामने आया कि शादी को लेकर पुरानी रंजिश के चलते लड़की के रिश्तेदार प्रदीप बिंद ने रवि यादव और भोले राजभर के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। तीनों आरोपियों पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस के मुताबिक चेकिंग के दौरान संदिग्ध बाइक सवारों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में रवि यादव घायल हो गया। अस्पताल पहुंचने पर उसकी मौत हो गई। हालांकि मुख्य आरोपी प्रदीप बिंद और भोले राजभर अब भी फरार हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है।

अयोध्या संक्षिप्त-----

ड्यूटी के दौरान पीएसी जवान की हार्ट अटैक से मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्याधाम। अयोध्या में राम जन्मभूमि की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात पीएसी जवान नरेंद्र बहादुर सिंह की अचानक मौत से पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। नरेंद्र बहादुर सिंह 12वीं वाहिनी पीएसी में तैनात थे और राम जन्मभूमि के रेड जोन क्षेत्र में ड्यूटी कर रहे थे। बताया जा रहा है कि बैरक से उतरते समय वह अचानक सीढ़ियों से गिर पड़े, जिसके बाद साथी जवानों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया।

डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण कार्डियक अरेस्ट बताया गया है। जवान की असमय मौत की खबर मिलते ही साथी पुलिसकर्मियों और अधिकारियों में शोक छा गया। मूल रूप से प्रतापगढ़ जिले के मांधाता क्षेत्र निवासी नरेंद्र बहादुर सिंह अपने पीछे परिवार को गहरे सदमे में छोड़ गए हैं। रामनगरी की सुरक्षा में तैनात एक और जवान का यूं अचानक चले जाना हर किसी की आंखें नम कर गया।

बारात घर का विधायक द्वारा किया गया लोकार्पण

» सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों के आयोजन में बेहतर सुविधा मिलेगी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। पलिया शाहबदी में नवनिर्मित बारात घर का लोकार्पण रविवार को विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने फीता काटकर एवं पूजन-अर्चन के साथ किया। लगभग 25 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस बारात घर में दो कमरे, एक बड़ा हॉल, बरामदा, लाइट, पंखे तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिससे क्षेत्रवासियों को सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यक्रमों के आयोजन में बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि सरकार की मंशा है कि हर क्षेत्र में मूलभूत एवं सामुदायिक सुविधाओं का विकास तेजी से किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अपने कार्यक्रमों के लिए भटकना न पड़े। उन्होंने कहा कि बारात घर बनने से गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को विशेष लाभ मिलेगा और कम खर्च में विवाह तथा अन्य सामाजिक आयोजन आसानी से हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि अयोध्या के विकास के साथ-साथ मोहल्लों और बस्तियों में भी जनसुविधाओं का विस्तार प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। मौके पर हरभजन गौड, रमा शंकर निषाद, महंत शशि कांत दास, दिनेश मिश्र, वीरेन्द्र सिंह, सत्यराम शुक्ला, धर्मवीर, अजय निषाद, कार्यदायी संस्था के अवर अभियंता सचिन पटेल सहित बडी संख्या में स्थानीय लोग व पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

अयोध्या में मौतों का रहस्य!

नहर में सड़ी लाश, युवती का फंदे पर शव और नशे के ओवरडोज से युवक की मौत से सनसनी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्याधाम। अयोध्या में एक के बाद एक संदिग्ध मौतों ने सनसनी फैला दी है। रुदौली क्षेत्र में शारदा सहायक नहर से करीब 20 दिन पुरानी अज्ञात युवक की लाश मिलने से हड़कंप मच गया।

संजय मौर्य के मुताबिक शव ज्ञानदीप मॉडर्न स्कूल के पास नहर पुलिया में पड़ा मिला, जिसकी पहचान अब तक नहीं हो सकी है। उधर इनायतनगर थाना क्षेत्र के सागरपट्टी पूरे पहाड़ीपुर गांव में एक युवती का शव कमरे में दुपट्टे से लटका मिला। बताया जा रहा है कि माता-पिता की मौत के बाद युवती छोटे भाई-बहनों की जिम्मेदारी संभाल रही थी। पुलिस हत्या और आत्महत्या दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है। वहीं तारुन थाना क्षेत्र के रामपुरभगन में बैंक ऑफ बड़ौदा के पीछे दो युवक नशे की हालत में मिले। पुलिस उन्हें सीएचसी लेकर पहुंची, जहां एक युवक की मौत हो गई। मौके से सिरिंज और नीडिल मिलने के बाद नशे के ओवरडोज की आशंका जताई जा रही है।

रेलवे ने बंद किया रास्ता, 30 हजार लोगों की जिंदगी पटरी से उतरी!

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

आजादी के बाद से चल रहा मार्ग बंद, किसान और स्कूली बच्चे भुगत रहे 'विकास' की सजा

अयोध्याधाम। अयोध्या में विकास की रफ्तार इतनी तेज हो गई है कि अब गांवों के रास्ते ही निगले जा रहे हैं। सरायरासी से होकर सनेथू और पूरे पहलवान जाने वाले वर्षों पुराने रास्ते को रेलवे ने पिलर गार्ड लगाकर बंद कर दिया है। नतीजा–करीब 30 हजार की आबादी अब रोजाना परेशानी की पटरी पर दौड़ने को मजबूर है।

ग्रामीणों का कहना है कि यह रास्ता आजादी के बाद से आवागमन का मुख्य जरिया रहा है। इसी रास्ते से बच्चे स्कूल जाते थे, किसान खेत पहुंचते थे और गांव का बाजार से संपर्क बना रहता था। लेकिन अब रास्ता बंद होने के बाद लोगों को लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है।

किसान करीब 10 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय कर रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब वर्षों से यहां आवाजाही हो रही थी तो रेलवे और प्रशासन को अब अचानक सुरक्षा की याद कैसे आ गई? और अगर रास्ता बंद करना जरूरी था तो अंडरपास या वैकल्पिक मार्ग पहले क्यों नहीं बनाया गया? मामला इसलिए भी गर्म है क्योंकि यह क्षेत्र रोली सिंह के गांव से जुड़ा बताया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि रेल मंत्री से लेकर पूर्व सांसद तक को ज्ञापन दिए गए, लेकिन फाइलें चलती रहीं और जनता फंसती रही। अब गांव वाले साफ कह रहे हैं रास्ता दो, नहीं तो आंदोलन होगा।

रामायणकालीन तिलोदकी पर योगी सरकार की नजर, अब जागेगा 'इतिहास'

स्वराज इंडिया एक्लूसिव

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

» ड्रोन उड़ रहे, प्रजेंटेशन बन रहा, तिलोदकी बचेगी या फिर फाइलों में बह जाएगी!

अयोध्याधाम। अयोध्या की पौराणिक तिलोदकी नदी अब अचानक सरकार की प्राथमिकता बनती दिखाई दे रही है। ÷एक जिला एक नदी÷ परियोजना के तहत चयनित तिलोदकी को लेकर स्वच्छ गंगा मिशन की टीम लखनऊ से अयोध्या पहुंची और ड्रोन कैमरों के जरिए उद्गम स्थल से लेकर कई इलाकों का सर्वे किया गया। अब चर्चा यह है कि इस पूरी परियोजना का प्रजेंटेशन खुद योगी आदित्यनाथ के सामने रखा जा सकता है।

सोहावल के पंडितपुर में रामायणकालीन तिलोदकी का बोर्ड वर्षों से लगा है, लेकिन नदी खुद उपेक्षा, अतिक्रमण और गंदगी के बोझ तले कराहती रही। अब जब ड्रोन आसमान में उड़ने लगे हैं और अफसर नापजोख में जुट गए हैं, तो गांव वाले पूछ रहे हैं क्या इस बार सच में नदी बचेगी या फिर सिर्फ वीडियोग्राफी ही होगी? स्वच्छ गंगा मिशन और वन विभाग की टीम ने नदी किनारे पौधरोपण, जल व्यवस्था और आसपास के हालात का जायजा लिया। बीडीओ हरिश्चंद्र सिंह, गंगा समिति की श्वेता साहू और अन्य अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से तिलोदकी की पौराणिकता और इतिहास की जानकारी भी रिकॉर्ड की। असली सवाल वही पुराना है क्या तिलोदकी का पुनर्जीवन होगा या यह भी सरकारी फाइलों, ड्रोन फुटेज और प्रजेंटेशन की चमक में दफन हो जाएगी? रामनगरी में लोग अब सिर्फ घोषणा नहीं, बहती हुई तिलोदकी देखना चाहते हैं।

विचारधारा में कैद पत्रकारिता लोकतंत्र को कमजोर करती

» प्रेस क्लब में स्व. राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी आयोजित

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्याधाम। अयोध्या प्रेस क्लब में वरिष्ठ पत्रकार स्व. राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय की 12वीं पुण्यतिथि पर आयोजित संगोष्ठी में लोकतंत्र और पत्रकारिता की भूमिका पर वक्ताओं ने बेबाक विचार रखे। मुख्य वक्ता राहुल देव ने कहा कि जो ईमानदार है, उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। पत्रकारिता सत्ता के साथ नहीं, सच के साथ खड़ी होती है।

उन्होंने कहा कि विचारधारा में कैद पत्रकारिता लोकतंत्र को कमजोर करती है।कार्यक्रम में स्व. राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि उनकी निर्भीक पत्रकारिता आज भी प्रेरणा देती है। पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने उन्हें अपना अभिभावक बताया। संगोष्ठी में प्रेस क्लब अध्यक्ष सुरेंद्र श्रीवास्तव, सचिव जय प्रकाश सिंह, त्रियुग नारायण तिवारी, डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी, अवधेश पाण्डेय बादल, अभिषेक मिश्रा समेत बड़ी संख्या में पत्रकार, बुद्धिजीवी और सामाजिक लोग मौजूद रहे।

व्हाइट हाउस के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग, हमलावर ढेर

राष्ट्रपति ट्रंप अंदर मौजूद थे, सीक्रेट सर्विस ने मोर्चा संभालकर टाला बड़ा खतरा

स्वराज इंडिया न्यूज डेस्क

वॉशिंगटन। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी स्थित व्हाइट हाउस के बाहर शनिवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब एक हथियारबंद हमलावर ने सुरक्षा चौकी के पास अचानक फायरिंग शुरू कर दी। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए हमलावर को मौके पर ही ढेर कर दिया। घटना के वक्त अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस परिसर के अंदर मौजूद थे, हालांकि उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक घटना शनिवार शाम करीब छह बजे 17वीं स्ट्रीट और पेनसिल्वेनिया एवेन्यू के पास हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि 21 वर्षीय संदिग्ध नासिर बेस्ट नामक युवक एक बैग लेकर सुरक्षा बैरियर तक पहुंचा और अचानक उसमें से हथियार निकालकर तैनात अधिकारियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सीक्रेट सर्विस एजेंटों ने तुरंत जवाबी फायरिंग की, जिसमें हमलावर गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना के दौरान एक राहगीर भी गोली लगने से घायल हो गया। अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि उसे हमलावर की गोली लगी या जवाबी कार्रवाई के दौरान वह चपेट में आया। पूरे इलाके को तत्काल सील कर दिया गया और व्हाइट हाउस परिसर में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया। पत्रकारों और कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, हमलावर पहले भी सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में रह चुका था। उस पर पूर्व में व्हाइट हाउस परिसर में घुसने की कोशिश का मामला दर्ज था। जांच एजेंसियां उसके मानसिक स्वास्थ्य और संभावित मकसद की पड़ताल कर रही हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने घटना के बाद सीक्रेट सर्विस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की और कहा कि सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ा खतरा टाल दिया। एफबीआई और स्थानीय पुलिस संयुक्त रूप से पूरे मामले की जांच में जुटी हैं।

- व्हाइट हाउस के बाहर गोलीबारी से अफरा-तफरी
- हमलावर सीक्रेट सर्विस की जवाबी कार्रवाई में मारा गया
- घटना के समय राष्ट्रपति ट्रंप अंदर मौजूद थे
- किसी भी सुरक्षा अधिकारी को चोट नहीं लगी
- एक आम नागरिक गोली लगने से घायल हुआ
- इलाके में तुरंत लॉकडाउन लागू किया गया
- हमलावर पहले भी सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर था
- एफबीआई और स्थानीय पुलिस जांच में जुटी
- सुरक्षा चौकियों की निगरानी और बढ़ाई गई
- अमेरिका में राष्ट्रपति सुरक्षा को लेकर फिर बहस तेज हुई

कैसे हुआ पूरा घटनाक्रम

- शाम करीब 6 बजे संदिग्ध सुरक्षा चौकी के पास पहुंचा
- बैग से हथियार निकालकर अचानक फायरिंग शुरू
- सीक्रेट सर्विस ने तत्काल जवाबी कार्रवाई की
- हमलावर घायल होकर गिरा, बाद में मौत
- एक राहगीर भी गोली लगने से घायल
- पहले भी संदिग्ध गतिविधियों में शामिल था हमलावर
- आरोपी की पहचान 21 वर्षीय नासिर बेस्ट के रूप में
- पहले भी व्हाइट हाउस क्षेत्र में घुसने की कोशिश
- मानसिक अस्थिरता से जुड़े संकेत मिले
- सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी सूची में था
- अमेरिका में बढ़ीं सुरक्षा चिंताएं
- हाल के महीनों में हाई-प्रोफाइल सुरक्षा घटनाएं बढ़ीं
- राष्ट्रपति सुरक्षा व्यवस्था पर नए सवाल
- व्हाइट हाउस परिसर में निगरानी और कड़ी की गई
- एफबीआई ने कई एजेंसियों के साथ जांच शुरू की

हीरा ग्रुप चीफ नौहेरा शेख गिरफ्तार, 1.72 लाख निवेशकों से हजारों करोड़ की ठगी का आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गुरुग्राम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हीरा ग्रुप की प्रमुख नौहेरा शेख को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया। ईडी के अनुसार, नौहेरा शेख लंबे समय से गिरफ्तारी से बचने के लिए फर्जी पहचान और कथित तौर पर जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर रही थीं। उन्हें गुरुग्राम के सेक्टर-45 स्थित एक एयरबीएनबी फ्लैट से पकड़ा गया, जहां वह बदले हुए नाम से रह रही थीं।

जांच एजेंसियों के मुताबिक, हीरा ग्रुप ने देशभर के करीब 1.72 लाख मुस्लिम निवेशकों को हलाल निवेश और मुनाफा साझेदारी का लालच देकर निवेश कराया। कंपनी ने शरिया कानून में 'रिबा' यानी ब्याज पर रोक का हवाला देते हुए इसे ब्याज मुक्त कारोबार बताया और निवेशकों को सालाना 36 प्रतिशत तक रिटर्न देने का दावा किया। बाद में न तो तय मुनाफा मिला और न ही मूल धन वापस हुआ।

ईडी का दावा है कि निवेशकों से जुटाई गई रकम को निजी खातों और संपत्तियों में खपाया गया। जांच में कई चल-अचल संपत्तियों को 'अपराध से अर्जित संपत्ति' मानते हुए अटैच किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में इन संपत्तियों की नीलामी कर निवेशकों का पैसा लौटाने की अनुमति भी दी थी।

ईडी ने बताया कि नौहेरा शेख ने अदालतों और राजस्व अधिकारियों के समक्ष भ्रामक हलफनामे दाखिल कर जांच और नीलामी प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश की। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद उन्होंने आत्मसमर्पण नहीं किया, जिसके बाद विशेष पीएमएलए अदालत ने उनकी जमानत रद्द कर गैर-जमानती वारंट जारी किया। फिलहाल ईडी उनसे पूछताछ कर रही है और मामले में आगे की जांच जारी है।

सुप्रीम कोर्ट से जमानत रद्द होने के बाद फर्जी पहचान के सहारे गुरुग्राम में छिपी थीं, ईडी ने एयरबीएनबी फ्लैट से दबोचा

ताजमहल पहुंचे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, किया प्यार के प्रतीक का दीदार

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

आगरा। अमेरिका के विदेश मंत्री सोमवार सुबह मार्को रूबियो पत्नी के साथ ताजनगरी आगरा पहुंचे। विशेष विमान से खेरिया हवाई अड्डे पर उतरने के बाद वह कड़े सुरक्षा घेरे में ताजमहल के पूर्वी गेट स्थित होटल पहुंचे और वहां से गोल्फ कार्ट के जरिए ताजमहल परिसर पहुंचे। विदेश मंत्री ने करीब एक घंटे तक विश्व प्रसिद्ध स्मारक का भ्रमण किया, इसकी खूबसूरती को करीब से निहारा और कई तस्वीरें भी खिंचवाईं।

पत्नी संग ताजमहल पहुंचे रूबियो, करीब एक घंटे तक किया भ्रमण

दौरे के दौरान सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट रहीं और पूरे क्षेत्र को हाई सिक्योरिटी जोन में तब्दील कर दिया गया।विदेश मंत्री रूबियो के दौरे को लेकर ताजमहल परिसर में सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किए गए थे। सुरक्षा एजेंसियों ने पहले से मौजूद पर्यटकों को कुछ समय के लिए बाहर करा दिया और आसपास के इलाकों में ट्रैफिक डायवर्ट किया गया। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल और राजदूत के साथ पहुंचे रूबियो ने ताजमहल देखने के बाद विजिटर बुक में लिखा, दुनिया के प्रेम के खजानों में से एक को देखने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद।उनका यह संदेश चर्चा का विषय बना रहा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर करीब एक बजे अमेरिकी विदेश मंत्री विशेष चार्टर विमान से जयपुर के लिए रवाना हो गए, जहां उनके अगले कार्यक्रम आयोजित हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर-208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86739 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com